

नं. २०९१

प्राण परिशिष्टम्
सामवेदस्य.

x

x

x

पत्र. २ ————— पृ. १६३१

वेदाङ्गम्.

प्राण परिशिष्टम्

(सामवेदस्य)

५०५१

पत्र

पत्र
३३

त्रवाडीपन्ननामस्य

त्रि० निवनामस्य

प्राणपरिधिस्थसामगानो

प्राणपरिधिस्थसामगान

श्री सामवेदाय नमः॥ आयाहि बर्हि॥ अस्मभ्यमृ॥ ससा॥ तिमे॥ उहोषिदु॥ १॥ इसा॥
 पावा॥ ऊर्ध्वज॥ इधे राजा सर्वो धनर्वि॥ मोक्षिषु॥ दिवि संजातः पयसर्वे॥ आरो सर्वे॥ देवां दे॥
 मंद्रो वि॥ उपवा॥ ३॥ स्मृतं ति॥ स्य वृषा॥ उविश्या॥ इदमिदं सर्वं॥ मंहिषु॥ प्रवोद सर्वे॥ ४॥ त्वावृ॥
 ह्रिय॥ पति॥ ये तोये जि॥ नर्दु॥ ॥ प्रणे॥ स्मसि॥ हरि श्रीः॥ ५॥ तनूषु॥ स्पकार॥ सहस्रो॥ अजि
 वस॥ मिदं सवा॥ बृहन्ना॥ तिरि॥ सि॥ नेमिंता॥ जनित्रा॥ याहि मा॥ द॥ गोरो अ॥ नृष्यं ने॥ वि
 श्या॥ नि॥ नर्हि॥ त्वा॥ नुज॥ वं॥ असु॥ अजि॥ त्वा॥ पृ॥ सर्वे॥ इंद्राय वृ॥ मरु॥ सां॥ त्वा॥ शि॥ सर्वे॥ क्र
 त्वा॥ पु॥ त्रे॥ वा॥ वा॥ म॥ दे॥ षु॥ सु॥ श॥ क्रे॥ यथा॥ अवसा॥ इ॥ र॥ पी॥ सु॥ आ॥ पुं॥ जे॥ ता॥ १॥ तम॥ र्त्रि॥ यः॥ य
 दा॥ या॥ समा॥ वा॥ द॥ सा॥ स्या॥ प्र॥ ता॥ इ॥ सर्वे॥ अ॥ सा॥ वि॥ दे॥ सर्वे॥ अध॥ प्रा॥ त॥ ता॥ अ॥ रि॥ ष्टा॥ स्य॥ त्वा
 जि॥ ज्ये॥ ष्ठ॥ म॥ अ॥ म॥ र्ता॥ अ॥ जि॥ त्वा॥ म॥ आ॥ त्वा॥ र॥ थो॥ त्रे॥ सर्वे॥ वे॥ नः॥ त्रै॥ ६॥ म॥ द॥ ता॥ व॥ स्या॥ यस्य
 या॥ श॥ तं॥ या॥ अ॥ त्यं॥ ना॥ य॥ द॥ मा॥ १॥ अ॥ जि॥ ध॥ मं॥ तं॥ दे॥ जी॥ म॥ आ॥ नि॥ शि॥ श्री॥ परि॥ प्र॥ व॥ सर्वे॥ प
 र्ष॥ प्र॥ म॥ हे॥ दा॥ नः॥ सा॥ सु॥ व॥ आ॥ ॥ क॥ रं॥ त॥ ११॥ स्वा॥ त॥ म॥ दे॥ म॥ प॥ व॥ स्या॥ प॥ व॥ १२॥ स॥ हो॥ पि